CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

1 अप्रैल 2026 । वर्ष 13 । अंक 13 । बुधवार । ₹ 5

03
मार्गदर्शन
आप अपने सपनों को साकार करने की दिशा में भले ही कितनी बार असफल हो जाएं, लेकिन प्रयास करना न छोड़ें...

06
राहें यहां भी
आपकी रुचि अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने में है, तो बतौर एस्ट्रोनॉट बन अपने कॅरिअर की शुरुआत कर सकते हैं...

फॉर्मेसी
कॅरिअर निर्माण के शानदार विकल्प

रणनीति

जो संघर्ष की राह पर चलता है वही संसार बदलता है

एक गरीब किसान की फसल बार-बार खराब हो जाती थी। कभी तेज बारिश, कभी तेज धूप, तो कभी कड़ाके की ठंड की वजह से। एक दिन दुखी होकर किसान भगवान से नाराज हो गया। वह भगवान को लगातार कोस रहा था। तभी वहां भगवान प्रकट हुए। किसान ने भगवान से कहा, 'प्रभु, आपको खेती का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं है। आप गलत समय पर बारिश करा देते हैं, कभी भी तेज धूप और ठंड बढ़ा देते हैं। इससे हर बार मेरी फसल खराब हो जाती है। आप मेरी अगली फसल तक मेरे अनुसार मौसम करा दीजिए। जैसा मैं चाहूं, वैसा ही मौसम रहे।' उसकी बात सुनकर भगवान ने कहा, 'ठीक है अब ऐसा ही होगा।'

यह कहकर भगवान अंतर्ध्यान हो गए। अगले दिन से किसान ने फिर से गेहूं की खेती शुरू कर दी। अब जब वह बारिश चाहता, तब बारिश होती, फसल के लिए जब उसे धूप की जरूरत होती, तब धूप निकलती। इस तरह उसकी इच्छा के अनुसार मौसम चल रहा था। धीरे-धीरे उसकी फसल तैयार हो गई। हरे-भरे खेत को देखकर किसान बहुत खुश था। जब फसल कटाई का समय आया, तो उसने देखा कि फसल की बालियों में गेहूं नहीं थे। सब की सब खोखली बालियां थीं। यह देखकर उसने फिर से भगवान को याद किया। भगवान प्रकट हुए, तो इसकी वजह पूछी। भगवान ने कहा कि तुम्हारी फसल ने बिल्कुल भी संघर्ष नहीं किया है, इसी वजह से सारी फसल खोखली हो गई है। जब किसान की फसल तेज बारिश में, तेज हवा में खुद को बचाए रखने का संघर्ष करती है, तेज धूप से लड़ती है, तभी उसमें दाने बनने की प्रक्रिया शुरू होती है। जिस तरह सोने को चमकने के लिए आग में तपना पड़ता है, ठीक उसी तरह किसी भी फसल के लिए संघर्ष जरूरी होता है। यह बात किसान की समझ में आ गई और उसे अपनी भूल का एहसास हो गया।

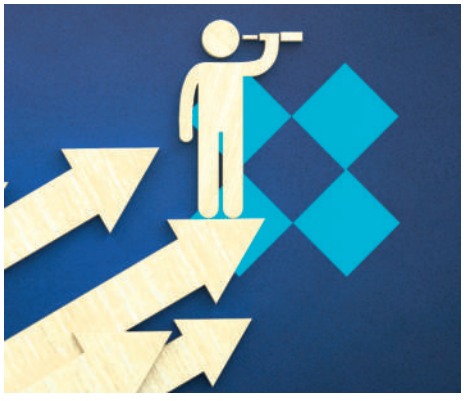

सीख : इस कथा से यही सीख मिलती है कि जब तक हमारे जीवन में बाधाएं नहीं आतीं, तब तक हमारी प्रतिभा में निखार नहीं आता है। बाधाएं ही हमें साहसी बनाती हैं। परेशानियों की वजह से ही हमारा सही विकास होता है।

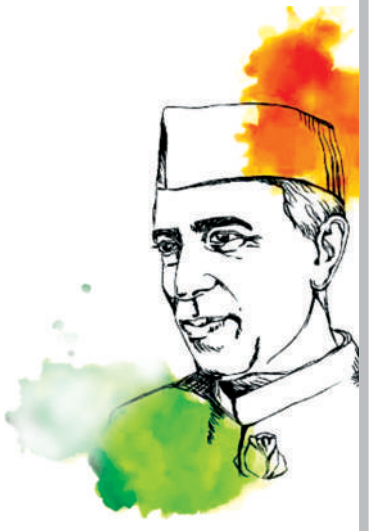

सही शिक्षा से ही समाज की बेहतर व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है।

-जवाहरलाल नेहरू

अमर उजाला समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

बिना हिचकिचाहट सीखें और आगे बढ़ें

कामयाब इन्सान अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कई बार असफल होते हैं, फिर भी वे प्रयास करना नहीं छोड़ते...

महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन के बारे में कहा जाता है कि जब वे बिजली के बल्ब के आविष्कार पर कार्य कर रहे थे, तो इस प्रयास में वे कई बार असफल हुए। किंतु उन्होंने हार नहीं मानी और बिजली के बल्ब के ईजाद की दिशा में सफल होने तक निरंतर प्रयास करते रहे। जब उनके दोस्तों ने एडिसन के असफल प्रयासों में हुई समय की बरबादी के बारे में उनसे पूछा तो उन्होंने कहा, 'मैं बिजली का बल्ब बनाने में असफल नहीं हुआ हूं और न ही इन सभी असफल प्रयासों में मेरा कीमती वक्त जाया हुआ है, बल्कि इन असफलताओं ने मुझे यह सिखाया है कि उन सभी तरीकों से बिजली के बल्ब नहीं बनाए जा सकते हैं।' सच पूछिए, तो असफलताओं के बारे में एडिसन के जीवन की इस फिलॉसफी में मानव जीवन में सफलता प्राप्त करने का एक अमूल्य रहस्य छिपा हुआ है और वह यह है कि विफलता ही कामयाबी की राहें प्रशस्त करती है। आशय यही है कि सफल होने की कोशिश में मिली पहली असफलता के बाद ही यदि हम हार मानकर बैठ जाएं, तो हम कभी कामयाब नहीं हो सकते हैं।

■ निरंतर अभ्यास करें

जब आप अपने किसी मुकाम में असफल हो जाएं, तो खुद से यह सवाल जरूर पूछें कि कहीं आपने उस विधा के बेसिक्स की अनदेखी तो नहीं कर दी है। प्रसिद्ध अमेरिकी पूर्व बास्केटबाल प्लेयर माइकल जॉर्डन ने कहा था, 'मैं अपने जीवन में लगभग 9,000 शॉट्स में असफल हुआ हूं, 300 गेम्स हारा हूं। मैं 26 बार जीतते-जीतते पराजित हुआ हूं और यही कारण है कि मैं अंततः सफल हो पाया हूं।'

■ खुद पर विश्वास रहे अटल

महान हास्य कलाकार चार्ली चैपलिन से एक बार जब पत्रकारों ने पूछा कि यदि वे हास्य कलाकार नहीं बन पाते, तो क्या करते? उन्होंने जवाब दिया, 'मैंने अपने जीवन में हमेशा लोगों को हंसाना चाहा था और मुझे एक विश्व प्रसिद्ध कॉमेडियन ही बनना था। इसलिए मैं और कुछ बन ही नहीं सकता था।' चैपलिन को खुद की प्रतिभा पर जो विश्वास था, वही सफलता का रहस्य छिपाए हुए थी। अतः जब हम खुद की काबिलियत पर बिना संदेह किए आगे बढ़ते हैं, तब कामयाबी हमारी होती है।

कमियों की सच्चे दिल से तलाश करें

हमारी असफलता तब और भी स्थायी हो जाती है, जब हम विफलता की स्थिति में हार मान बैठते हैं और सफल होने के लिए आगे प्रयास करना छोड़ देते हैं। हकीकत तो यही है कि नाकामयाबी महज हमें यह सिखाती है कि सफल होने की राह में हमसे कुछ चूक हो गई है। इसी गलती की पहचान करके जब हम उसके समाधान का रास्ता ढूंढ लेते हैं, तो फिर हमारा अगला प्रयास निश्चित सफलता का प्रयास होता है।

■ कठोर परिश्रम का कोई विकल्प नहीं

सफल पेशेवरों का संपूर्ण जीवन कठिन परिश्रम और साधना का होता है। सफल होने की राह कठिन और चुनौती भरी होती है। कामयाबी हासिल करने के लिए संघर्ष और त्याग की दरकार होती है। यदि आप सफलता के मुरीद हैं, तो आपको सही दिशा में सतत मेहनत करनी पड़ेगी। जीवन में हमेशा यह याद रखिए कि सफलता का कोई शॉर्ट-कट नहीं होता है।

COVER STORY

फार्मेसी

कॅरिअर निर्माण के शानदार विकल्प

फार्मेसी का क्षेत्र जितना व्यापक है, इसमें कॅरिअर की संभावनाएं उतनी ही ज्यादा हैं। दवाओं की जानकारी रखना और उनसे जुड़ी रिसर्च के बारे में जानना, जिन्हें अच्छा लगता है, वे इस क्षेत्र में अपना भविष्य संवार सकते हैं...

मेडिकल क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वाले युवाओं के लिए फार्मेसी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां वे विभिन्न दवाओं की खोज व उन्हें विकसित करने संबंधी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हैं। यह क्षेत्र जितना व्यापक है, इसमें कॅरिअर की संभावनाएं उतनी ही ज्यादा हैं। दवाओं की जानकारी रखना और उनसे जुड़ी रिसर्च के बारे में जानना जिन्हें अच्छा लगता है, वे इस क्षेत्र में आ सकते हैं। इस क्षेत्र में अवसर तलाशने के लिए डीफार्मा और बीफार्मा जैसे कोर्सेज करना जरूरी है। मुख्य रूप से फार्मासिस्ट का कार्य डॉक्टर द्वारा मरीज के लिए लिखी गई दवा को देना, मरीज को दवा के सुरक्षित और प्रभावी इस्तेमाल के बारे में बताना, बीमारी और जीवनशैली में परिवर्तन से जुड़ी उन सभी शंकाओं का समाधान करना, जिनसे मरीज को बीमारी से उबरने में मदद मिल सके है।

■ अनिवार्य योग्यताएं

अगर आप फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स या बायोलॉजी विषयों के साथ बारहवीं पास कर चुके हैं, तो इसके बाद डीफार्मा (डिप्लोमा इन फार्मेसी) पाठ्यक्रम में दाखिला लिया जा सकता है। डीफार्मा के आधार पर लेटरल एंट्री योजना के तहत बीफार्मा पाठ्यक्रम के दूसरे साल में सीधे प्रवेश मिलता है। फार्मेसी में डिप्लोमा या स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश बारहवीं में प्राप्त अंकों या प्रवेश परीक्षा के माध्यम से मिलता है। इसमें दो वर्षीय डिप्लोमा हासिल करने के बाद आपके पास मेडिकल स्टोर खोलने का विकल्प होता है। अगर आपको सरकारी कॉलेज में दाखिला नहीं मिल पा रहा है, तो किसी प्राइवेट कॉलेज में डायरेक्ट एडमिशन ले सकते हैं। बीफार्मा के बाद आप चाहें तो एमफार्मा कोर्स भी कर सकते हैं। यह दो वर्षीय पोस्ट-ग्रेजुएशन कोर्स है। एमफार्मा में फार्माकोग्नॉसी, फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग, बायोकेमिस्ट्री जैसे विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। मास्टर डिग्री कोर्स के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा जीपीएटी होती है। यदि आप रिसर्च के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो पीएचडी का विकल्प भी मौजूद है। फार्मा से जुड़े कुछ अन्य कोर्सेज पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एंड हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग आदि हैं।

■ अवसर

राज्य या केंद्र सरकार के अस्पतालों, स्वास्थ्य

खुद का मेडिकल स्टोर

डीफार्मा या बीफार्मा करने के बाद आपके पास खुद का मेडिकल स्टोर खोलने का विकल्प मौजूद है। मेडिकल स्टोर शुरू करने के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है। इसे हासिल करने के लिए फार्मेसी में डिप्लोमा के साथ स्टेट फार्मेसी काउंसिल में पंजीकृत होना जरूरी है। जिस राज्य की काउंसिल में आप खुद को पंजीकृत करवाएंगे, उसी के अधिकार क्षेत्र में आपको मेडिकल स्टोर खोलने का लाइसेंस प्राप्त होगा।

एवं परिवार कल्याण विभाग व सार्वजनिक दवा उत्पादन कंपनियों में समय-समय पर फार्मासिस्ट की नियुक्ति होती रहती है। दवाओं के गुणवत्ता, नियंत्रण और उनकी जांच के लिए नियुक्त होने वाले ड्रग इंस्पेक्टर या सरकारी विश्लेषकों के चयन के लिए भी फार्मेसी के जानकारों की भर्ती की जाती है। इसके अलावा केंद्रीय सैन्य बलों में भी फार्मासिस्ट के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन निकाले जाते हैं। दवाओं का निर्माण करने एवं वितरण कार्यों से जुड़ी कंपनियां ब्रिकी व प्रचार-प्रसार के लिए मेडिकल रिप्रजेंटेटिव (एमआर) की बड़े पैमाने पर नियुक्तियां करती हैं। फार्मेसी में डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त लोगों को इस पेशे में प्राथमिकता दी जाती है। उनका काम दवा कंपनियों के उत्पादों के बारे में डॉक्टरों को बताना और संबंधित उत्पाद की बिक्री को बढ़ाना एवं प्रसार करना होता है।

■ ड्रग मैन्युफैक्चरिंग में कॅरिअर

इस क्षेत्र में मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट, फार्माकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट और मेडिकल इन्वेस्टिगेटर के तौर पर काम करने के अवसर प्राप्त होते हैं। मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट जीन संरचना और मेडिकल व ड्रग रिसर्च में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है। फार्माकोलॉजिस्ट मानव अंगों व ऊतकों पर दवाओं के प्रभाव का अध्ययन करता है। टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के निगेटिव इफेक्ट को मापने के लिए टेस्टिंग करता है। मेडिकल इन्वेस्टिगेटर नई दवाओं के विकास एवं टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा क्षेत्र है।

■ क्लिनिकल रिसर्च में कॅरिअर

इसके अंतर्गत नई लॉन्च मेडिसिन के बारे में रिसर्च होती है कि वह कितनी सुरक्षित और असरदार है। इसके लिए क्लिनिकल ट्रायल होता है। देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाओं की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मूलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल होता है।

■ क्वालिटी कंट्रोलर

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री के लिए क्वालिटी कंट्रोलर का कार्य बेहद अहम माना जाता है। क्वालिटी कंट्रोलर नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करता है कि इन दवाओं के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं या नहीं।

■ ब्रांडिंग एंड सेल्स प्रोमोशन

फार्मेसी की डिग्री के बाद छात्र ड्रग्स व मेडिसिन की सेल्स एंड मार्केटिंग में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर कॅरिअर बना सकते हैं। मार्केटिंग पेशेवर उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी नजर रखते हैं कि किस प्रोडक्ट के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं, उसके मुताबिक मार्केटिंग की प्लानिंग करते हैं।

■ मेडिकल इन्वेस्टिगेटर

यह कार्य नई दवाओं के परीक्षण व डेवलपमेंट की प्रक्रिया से संबंधित है। हॉस्पिटल फार्मासिस्ट पर मेडिसिन व अन्य मेडिकल रिलेटिड सामग्रियों की स्टॉकिंग और डिस्ट्रीब्यूशन का जिम्मा होता है। रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार करना होता है।

■ अनुसंधान क्षेत्र में अवसर

सरकारी संगठन और निजी कंपनियां नई दवाओं की खोज व पुरानी दवाओं की क्षमता वृद्धि के लिए लगातार अनुसंधान करती रहती हैं। इस कार्य में आम तौर पर एमफार्मा या पीएचडी डिग्री धारकों को शामिल किया जाता है।

■ बुनियादी जानकारी

- दवाओं की गहरी जानकारी होना
- दवाओं के बारे में दिलचस्पी
- संवाद कुशलता तथा उत्पादों की बेहतर समझ
- रोगी की परेशानी को समझने का धैर्य
- कठिन परिश्रम

प्रमुख संस्थान

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
- सीएसजेएम यूनिवर्सिटी, कानपुर
- एलएम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अहमदाबाद
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक
- गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, मोहाली
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई
- पूना कॉलेज ऑफ फार्मेसी, पुणे

इनके अतिरिक्त भी कई सरकारी एवं निजी कॉलेज हैं, जहां से फार्मेसी कोर्स किया जा सकता है, बशर्ते वह कॉलेज फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI) से पंजीकृत हो।

अगर आपकी दिलचस्पी अंतरिक्ष में छिपे रहस्यों को सुलझाने में है, तो आप भी एस्ट्रोनॉट के तौर पर अपने कॅरिअर की शुरुआत कर सकते हैं...

एस्ट्रोनॉट बन भरें कामयाबी की उड़ान

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एस्ट्रोनॉट क्या होते हैं और इनको करना क्या होता है? एस्ट्रोनॉट दो तरह के होते हैं: फ्लाइट इंजीनियर्स यानी पायलट एस्ट्रोनॉट और कमांडर। फ्लाइट इंजीनियर शटल को उड़ाते हैं और अंतरिक्ष स्टेशन को संचालित करते हैं। कमांडर की अंतरिक्ष यान के मिशन को सफलतापूर्वक संचालित करने और उड़ान को सुरक्षित ढंग से पूर्ण करने की जिम्मेदारी होती है। फ्लाइट इंजीनियर यानी पायलट अंतरिक्ष यान को नियंत्रित और संचालित करने में कमांडर की सहायता करता है। इसके अतिरिक्त अंतरिक्ष यान से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों एवं अन्य पेलोड ऑपरेशनों में फ्लाइट इंजीनियर कार्य करता है।

■ अन्य जरूरी चीजें

एक अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए कुछ बुनियादी योग्यताओं अथवा क्षमताओं का होना अति आवश्यक है। इन बातों को 'द राइट स्टाफ' कहा जाता है। ये महत्वपूर्ण क्षमताएं इस प्रकार हैं:

- एस्ट्रोनॉट बनने के लिए आप में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।
- दबाव के समय आपका मानसिक संतुलन बरकरार होना चाहिए।
- अंतरिक्ष में जाने के लिए बेहतरीन लोगों को चुना जाता है, जो कि शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से मजबूत होते हैं।

■ अनिवार्य कौशल

अगर आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने के लिए लगभग 330 किलोमीटर की दूरी पृथ्वी से अंतरिक्ष की ओर तय करनी होती है। वहां पर मौजूद कक्षीय प्रयोगशाला/डोरमेट्री में कई तरह के कार्यों में शामिल होना होता है, जहां पर गुरुत्वाकर्षण लगभग शून्य होता है। मतलब कि आप ठीक से पैदल भी नहीं चल पाते हैं और हमेशा हवा में तैरते रहते हैं। एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष स्टेशन में कम से कम तीन से चार महीने का समय बिताते हैं। इस दौरान उन्हें पौधे उगाने, क्रिस्टलों का निर्माण करने सहित अनेक प्रयोग करने होते हैं। ऐसे में आपका शरीर अंतरिक्ष में रहने के लिए उपयुक्त और फिट भी होना चाहिए। इसके अलावा आप विज्ञान और खासकर अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जिज्ञासु होने चाहिए। आप में कठिन परिश्रम एवं धैर्यशीलता हो और विभिन्न तरह के व्यक्तियों से बातचीत करने में सक्षम हों और किसी प्रोजेक्ट पर लंबे समय तक काम करने के लिए तैयार हों तथा जोखिम लेने की हिम्मत रखते हों।

ऐसी हो योग्यता

इसरो के एक वैज्ञानिक के अनुसार, एस्ट्रोनॉट बनने के लिए बेसिक साइंस और इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री का होना पहली शर्त है। इसके अलावा एयरोस्पेस या एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिग्री आपके लिए अतिरिक्त योग्यता के तौर पर काम कर सकती है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी एक ऐसा संस्थान है, जो कि भारत में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग एवं एवियोनिक्स में कोर्स ऑफर करता है।

प्रमुख संस्थान

- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई www.univ.tifr.res.in
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, भुवनेश्वर www.niser.ac.in
- आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज, नैनीताल www.aries.ernet.in
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बंगलूरू www.iiap.res.in
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर www.iitk.ac.in
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम www.iist.ac.in
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची www.bitmesra.ac.in

चर्चा में

आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान शीर्ष पर

पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद सूचकांक में पहली बार शीर्ष स्थान पर आ गया है। पाकिस्तान में पिछले वर्ष आतंकवाद से जुड़ी मौतों में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इंस्टीट्यूट फॉर इकनॉमिक्स एंड पीस द्वारा प्रकाशित वैश्विक

आतंकवाद सूचकांक 2026 के अनुसार, पाकिस्तान में आतंकवाद से होने वाली मौतें 2013 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर हैं। वर्ष 2025 में देश में एक हजार एक सौ 39 आतंकवादी मौतें और एक हजार 45 घटनाएं दर्ज की गईं, जो बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दर्शाती हैं। 163 देशों में आतंकवाद के प्रभाव का आकलन करने वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के अपने पड़ोसी देशों, विशेष रूप से अफगानिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों और देश में बढ़ती हिंसा ने महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिम पैदा किए हैं।

स्वर्ण सिक्के पर दिखेंगे डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जारी होने वाले स्वर्ण सिक्के पर दिखाई देंगे। लेकिन

इसकी वैधता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। प्रस्तावित डिजाइन में राष्ट्रपति ट्रंप को मुट्ठी बांधे हुए रेसोल्यूट डेस्क पर झुके हुए दिखाया गया है, जिससे वे सिक्के पर चित्रित होने वाले दूसरे राष्ट्रपति बन जाएंगे। पहले राष्ट्रपति कैल्विन कूलिज थे, जिन्हें 1926 में जॉर्ज वाशिंगटन के साथ अमेरिकी स्वतंत्रता के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जारी सिक्के पर चित्रित किया गया था। यह सिक्का आम मुद्रा नहीं, बल्कि स्मारक होगा।

'धुरंधर 2' ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

आदित्य धर की 'धुरंधर 2' इस समय सबसे चर्चित फिल्म बनी हुई है। यह फिल्म 19 मार्च को रिलीज हुई थी और तब से लेकर अब तक इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन करते हुए कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म अपने तीखे राष्ट्रवाद, पाकिस्तान के नकारात्मक चित्रण के कारण चर्चा और विवाद में है। यह फिल्म जासूसी, वास्तविक घटनाओं को काल्पनिक रूप से पेश करने और अत्यधिक हिंसा के

कारण भारतीय बॉक्स ऑफिस पर हिट होने के साथ ही, राजनीतिक बहस और आलोचना का केंद्र बन गई है। कई लोग इसे देशभक्ति के नाम पर प्रोपेगेंडा मानते हैं, जो धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे सकती है। फिल्म में पाकिस्तान को एक अराजक और भारत के खिलाफ साजिश रचने वाले देश के रूप में दिखाया गया है, जिससे पड़ोसी मुल्क में नाराजगी है। फिल्म में बहुत अधिक खूनी हिंसा और अपशब्दों का प्रयोग किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आलोचना हुई है। विवादों के बावजूद, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही है, जो इसके विषय की 'पॉपुलैरिटी' को दर्शाता है।

जंगली कीवी की एक नई प्रजाति की खोज

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने अरुणाचल प्रदेश में जंगली कीवी की एक नई प्रजाति 'एक्टिनिडिया इंडिका' की खोज की है। यह खोज भारत की समृद्ध जैव विविधता को और विस्तार देती है तथा पूर्वी हिमालयी क्षेत्र की पारिस्थितिक महत्वता को उजागर करती है। यह क्षेत्र अपनी अनूठी वनस्पतियों और स्थानिक

प्रजातियों के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। 'एक्टिनिडिया इंडिका' को अरुणाचल प्रदेश के जीरो वैली के पास एक सीमित भौगोलिक क्षेत्र में पाया गया। यह प्रजाति लगभग 1,725 मीटर की ऊंचाई पर पाई जाती है। यह क्षेत्र समशीतोष्ण और उपोष्णकटिबंधीय वनों के बीच संक्रमण क्षेत्र है, जहां जलवायु और पर्यावरणीय परिस्थितियां जैव विविधता के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। इसी कारण यहां कई दुर्लभ और नई प्रजातियों की खोज होती रहती है। यह नई प्रजाति एक बहुवर्षीय लता है, जिसकी ऊंचाई सामान्यतः दो से चार मीटर तक होती है।

नीता अंबानी को मिला ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड

रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और अध्यक्ष नीता अंबानी को कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (केआईएसएस) के मेंबर में केआईएसएस ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड उन्हें उनके सामाजिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण

और खेल को बढ़ावा देने के योगदान के लिए दिया गया। पुरस्कार श्रीलंका के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहन मुनासिंघे ने प्रदान किया और कार्यक्रम में केआईआईटी, केआईएसएस और केआईएमएस के संस्थापक अच्युत सामंत, वरिष्ठ अधिकारी, छात्र एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। केआईएसएस ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड एक प्रतिष्ठित सम्मान है, जो सामाजिक विकास और मानव कल्याण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को दिया जाता है।

बढ़ाएं सामान्य ज्ञान

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए। आइए, ऐसे ही कुछ प्रश्नोत्तरों पर विचार करते हैं...

1. जयपाल सिंह के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(a) वे संविधान सभा के सदस्य थे
(b) उन्होंने आदिवासी महासभा की स्थापना की थी
(c) वे पहली भारतीय राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान थे
(d) उन्होंने छत्तीसगढ़ के अलग राज्य निर्माण के लिए अभियान चलाया

जवाब : (d) उन्होंने छत्तीसगढ़ के अलग राज्य निर्माण के लिए अभियान चलाया
व्याख्या : जयपाल सिंह छोटा नागपुर वर्तमान में झारखंड राज्य की मुंडा जनजाति के थे। वह ऑक्सफोर्ड के सेंट जॉन्स कॉलेज में पढ़ने के लिए गए। वे असाधारण रूप से प्रतिभाशाली थे। उन्होंने पढ़ाई के अलावा हॉकी और वाद-विवाद में खूब नाम कमाया। उनका चयन भारतीय सिविल सेवा में हो गया था। आईसीएस का उनका प्रशिक्षण प्रभावित हुआ, क्योंकि वह 1928 में एम्सटरडम में ओलंपिक हॉकी में पहला स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान के रूप में नीदरलैंड चले गए थे। जनवरी 1938 में उन्होंने आदिवासी महासभा की अध्यक्षता ग्रहण की, जिसने बिहार से इतर एक अलग झारखंड राज्य की स्थापना की मांग की। इसके बाद जयपाल सिंह देश में आदिवासियों के अधिकारों की आवाज बन गए। उनके जीवन का सबसे बेहतरीन समय तब आया, जब उन्होंने संविधान सभा में बेहद वाकपटुता से देश के आदिवासियों के बारे में सकारात्मक ढंग से अपनी बात रखी।

2. निम्नलिखित में से किस देश में जनवरी 2020 में भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन वनीला प्रारंभ किया?
(a) श्रीलंका
(b) मालदीव
(c) ओमान
(d) मेडागास्कर
जवाब : (d) मेडागास्कर
व्याख्या : भारतीय नौसेना ने मेडागास्कर में चक्रवात डायने से प्रभावित लोगों को सहायता और राहत उपलब्ध कराने के लिए ऑपरेशन वनीला की शुरुआत की। आईएनएस ऐरावत को इस मिशन में लगाया गया था। चक्रवात डायने एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है, जिसके कारण मेडागास्कर में बाढ़ एवं भूस्खलन जैसी आपदाएं आईं और परिणामस्वरूप कई लोगों की मृत्यु हुई और काफी लोग विस्थापित हुए।

3. आलू के चिप्स प्लास्टिक के थैलों में संकलित किए जाते हैं?
(a) नाइट्रोजन वातावरण में
(b) हाइड्रोजन वातावरण में
(c) ऑक्सीजन वातावरण में
(d) आयोडीन वातावरण में

जवाब : (a) नाइट्रोजन वातावरण में
व्याख्या : इनमें नाइट्रोजन भरी जाती है, ताकि चिप्स ताजा रहें और टूटे ना। वायुमंडल में जितनी गैसें हैं, उनमें से 78% नाइट्रोजन, 21% ऑक्सीजन, 0.03% कार्बन डाइऑक्साइड और बाकी बची हुई गैसें हैं, यानी जिस हवा में हम सांस ले रहे हैं, उसमें सिर्फ 21% ऑक्सीजन है, जबकि एक बड़ा हिस्सा नाइट्रोजन का है। इसे अक्रिय गैस की कैटेगरी में रखा जाता है। ऑक्सीजन बहुत ही रिएक्टिव गैस होती है। यह किसी भी चीज के मॉलिक्यूल के साथ बहुत जल्दी घुल जाती है। फिर वो चाहे खाने की चीजें हों या धातु की कोई चीज। ऑक्सीजन की रिएक्टिव होने की वजह से ही बैक्टीरिया वगैरह इसमें पनप पाते हैं और यही कारण है कि अगर खाने की कोई चीज ज्यादा वक्त तक खुले में रखी रहे, तो वह खराब हो जाती है।

4. पंचवर्षीय योजना पहली बार कहां लागू की गई थी?
(a) चीन
(b) यूएसएसआर
(c) भूटान
(d) भारत
जवाब : (b) यूएसएसआर
व्याख्या : स्टालिन के आर्थिक मॉडल में सरकार उत्पादन से लेकर विपणन तक हर कदम पर जिम्मेदार थी। स्टालिन ने 1928 में रूस में पंचवर्षीय योजनाएं लागू कीं। 1938 में कांग्रेस पार्टी ने नेशनल प्लानिंग कमेटी (एनपीसी) का गठन किया था, जिसे आजाद हिंदुस्तान की आर्थिक प्लानिंग का ढांचा तैयार करने का जिम्मा दिया गया था, इसके पहले अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू थे। जाने-माने उद्योगपति जैसे घनश्याम दास बिड़ला, जेआरडी टाटा, लाला श्रीराम सरीखे लोग भी नेहरू के इस केंद्रीय प्लानिंग के विचार से सहमत थे। इन सबने मिलकर भी 1944 में एक 'बॉम्बे प्लान' नेहरू को पेश किया। 15 मार्च, 1950 में पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में देश में योजना आयोग का गठन हुआ और 1951 में हिंदुस्तान में पहली पंचवर्षीय योजना लागू की गई।

5. कुष्ठ रोग के खिलाफ किए गए प्रयासों के लिए व्यक्तिगत श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय गांधी पुरस्कार 2020 पाने वाले हैं-
(a) योहेई ससाकावा
(b) एनएस धर्मशक्तु
(c) सत्य नडेला
(d) दामोदर गणेश बापट

जवाब : (b) एनएस धर्मशक्तु
व्याख्या : फरवरी 2020 में कुष्ठ रोग के उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए अंतरराष्ट्रीय गांधी पुरस्कार डॉ. एनएस धर्मशक्तु को व्यक्तिगत श्रेणी तथा कुष्ठ रोग मिशन ट्रस्ट को संस्थागत श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय गांधी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

6. हींग प्राप्त की जाती है-
(a) तने के स्राव से
(b) जड़ों के निष्कर्षण से
(c) फलों के निष्कर्षण से
(d) पत्तियों के निष्कर्षण से

जवाब : (b) जड़ों के निष्कर्षण से
व्याख्या : जिस स्वरूप में हम हींग का प्रयोग करते हैं, वह उस स्वरूप में पैदा नहीं होती है। बाजार में मिलने वाला हींग का पाउडर शुद्ध हींग नहीं होता, बल्कि हींग के साथ अन्य खाद्य पदार्थ मिला कर हींग का पाउडर बनाया जाता है। हींग फेरुला पौधे से प्राप्त होती है। हींग का पौधा एक बारहमासी शाक है। इस पौधे के विभिन्न वर्गों के भूमिगत प्रकंदों व ऊपरी जड़ों से रिसने वाले शुष्क वानस्पतिक दूध को हींग के रूप में प्रयोग किया जाता है।

7. त्रिकोष्ठीय हृदय पाया जाता है-
(a) स्तनधारियों में
(b) उभयचरों में
(c) पक्षियों में
(d) मछलियों में

जवाब : (b) उभयचरों में
व्याख्या : स्तनधारियों और पक्षियों में हृदय को चार कक्षों में विभाजित किया जाता हैः दो आलिंद और दो निलय। ऑक्सीजन युक्त रक्त को ऑक्सीजन रहित रक्त से अलग किया जाता है, जो दोहरे परिसंचरण की दक्षता में सुधार करता है और संभवतः स्तनधारियों और पक्षियों की समतापी जीवनशैली के लिए आवश्यक है। सरीसृप के पास तीन कक्ष का हृदय होता है-दो आलिंद और एक आंशिक रूप से विभाजित निलय। इसमें ऑक्सीजन युक्त और ऑक्सीजन रहित रक्त का मिश्रण होता है, क्योंकि निलय पूरी तरह से विभाजित नहीं होता है। मछली जलीय प्राणी हैं, वे फाइलम कॉर्डेटा से संबंधित हैं, उनका दिल दो-कक्षीय, एक आलिंद और एक निलय है और शुद्ध और अशुद्ध रक्त का मिश्रण होता है।

8. निम्नलिखित में से किस द्वीपसमूह का हिस्सा न्यूजीलैंड को माना जाता है?
(a) माइक्रोनेशिया
(b) मेलानेशिया
(c) पोलिनेशिया
(d) हवाई द्वीप समूह

जवाब : (c) पोलिनेशिया
व्याख्या : न्यूजीलैंड दक्षिणी प्रशांत में स्थित पोलिनेशिया द्वीप समूह में स्थित है, इसके उत्तरी सिरे पर हवाई द्वीप समूह स्थित है, पोलिनेशिया में भौगोलिक सांस्कृतिक समानता है। न्यूजीलैंड यहां स्थित सबसे बड़ा देश है।

9. दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक साझा (कॉमन) उच्च न्यायालय किसके द्वारा स्थापित किया जा सकता है?
(a) संसद द्वारा पारित कानून द्वारा
(b) भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा
(c) राष्ट्रपति के आदेश द्वारा
(d) भारत के संविधान में संशोधन द्वारा
जवाब : (a) संसद द्वारा पारित कानून द्वारा
व्याख्या : संसद कानून बनाकर एक उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार बढ़ाकर दो या दो से अधिक राज्यों तक भी कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद-214 के अनुसार प्रत्येक राज्य के

लिए एक उच्च न्यायालय का प्रावधान है। अनुच्छेद-231 के तहत संसद को यह अधिकार प्राप्त है कि वह दो या अधिक राज्यों के लिए उच्च न्यायालय की स्थापना कर सकता है।

10. निम्नलिखित में से किस अम्ल का प्रयोग कार बैटरियों में किया जाता है-
(a) एसीटिक अम्ल
(b) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल
(c) सल्फ्यूरिक अम्ल
(d) नाइट्रिक अम्ल

जवाब : (c) सल्फ्यूरिक अम्ल
व्याख्या : कार की बैटरी में मौजूद एसिड सल्फ्यूरिक होता है। सल्फ्यूरिक एसिड (रासायनिक रूप से शुद्ध सल्फ्यूरिक एसिड) 1,83213 ग्राम/सेमी 3 के घनत्व के साथ एक मजबूत डिबेसिक चिपचिपा तरल, रंगहीन और गंधहीन होता है। सल्फ्यूरिक एसिड सबसे सक्रिय अकार्बनिक एसिड है, जो लगभग सभी धातुओं और उनके ऑक्साइड के साथ संपर्क करता है। इसके बिना, बैटरी को डिस्चार्ज और चार्ज करना पूरी तरह से असंभव होगा। हालांकि, चार्जिंग और डिस्चार्जिंग प्रक्रिया कैसे होगी, आसुत जल की मात्रा पर निर्भर करता है, जिसके साथ एसिड पतला होता है। सल्फ्यूरिक अम्ल एक इलेक्ट्रोलाइट की तरह व्यवहार करता है, लेड बैट्री के चार्ज और डिस्चार्ज होने के दौरान सल्फ्यूरिक अम्ल का क्रमशः उपभोग होता तथा उत्पादन होता है।

11. नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य सूचकांक 2019 के अनुसार प्रथम स्थान किस राज्य को प्राप्त हुआ है?
(a) उत्तर प्रदेश
(b) बिहार
(c) झारखंड
(d) केरल

जवाब : (d) केरल
व्याख्या : नीति आयोग द्वारा 30 दिसंबर, 2019 को जारी सतत विकास लक्ष्य भारत सूचकांक के दूसरे संस्करण में पिछले वर्ष की ही तरह इस बार भी केरल इस सूची में प्रथम स्थान पर रहा। वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विकास के 17 लक्ष्यों को आम सहमति से स्वीकार किया। वर्ष 2030 तक इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा सदस्य देशों के साथ साझा की गई। नीति आयोग ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के आधार पर भारत की प्राथमिकताओं के अनुरूप अपना सूचकांक तैयार किया है। इस वर्ष नीति आयोग की रिपोर्ट में यूएन के 17 में से 16 लक्ष्यों को शामिल किया गया है, जबकि वर्ष 2018 में इसमें केवल 13 लक्ष्यों को ही शामिल किया गया था।

12. गरीबी हटाओ का आह्वान किस पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित किया गया था?
(a) चौथी
(b) पांचवीं
(c) छठी
(d) सातवीं

जवाब : (b) पांचवीं
व्याख्या : यह नारा पांचवीं योजना में था। पांचवीं पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल 1974 से 1978 तक रहा। 1978 में जनता दल की सरकार ने चार वर्षों के पश्चात ही 'पांचवीं योजना' को समाप्त कर दिया था। इसमें गरीबी उन्मूलन, न्याय को बढ़ावा और रोजगार को प्रोत्साहन देने पर ध्यान दिया गया था। कृषि उत्पादन और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर भी जोर दिया गया था। पांचवीं पंचवर्षीय योजना का विकास लक्ष्य 4.4% था।

परीक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

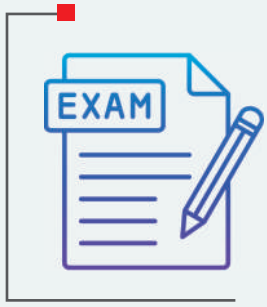

कई प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीपीसीएसी, आरओ-एआरओ, पुलिस एसआई-कॉन्स्टेबल, यूपीएसएसएससी आदि में करंट अफेअर्स से जुड़े प्रश्न पूछे ही जाते हैं। थोड़ी-सी मेहनत करके इनमें पूरे अंक हासिल किए जा सकते हैं।

1. हाल ही में भारत और इंडोनेशिया ने इंडोनेशिया के विशेष क्षेत्र योग्यकार्ता में स्थित प्रम्बानन मंदिर परिसर के पुनर्निर्माण हेतु साझेदारी की है। प्रम्बानन मंदिर किसके प्रति समर्पित है?
(a) बुद्ध
(b) जैन तीर्थंकर
(c) हिंदू त्रिमूर्ति (शिव, विष्णु, ब्रह्मा)
(d) सूर्य देव

2. हाल ही में राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान ने तमिलनाडु तट के निकट स्वदेशी रूप से विकसित 'फ्लोटिंग लिडार बॉय प्रणाली' का परीक्षण किया। फ्लोटिंग लिडार बॉय प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य क्या है?
(a) जलमग्न भूकंपों का पता लगाना
(b) महासागर के ऊपर वायु प्रवाह एवं वायुमंडलीय परिस्थितियों का मापन करना
(c) समुद्री जैव विविधता की निगरानी करना
(d) नौवहन हेतु महासागरीय धाराओं का ट्रैक करना

3. हाल ही में हिंडन नदी के सर्वेक्षण में कई स्थानों पर घुलित ऑक्सीजन का स्तर शून्य पाया गया, जिससे जल गुणवत्ता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। हिंडन नदी निम्नलिखित में से किसकी सहायक नदी है?
(a) गंगा
(b) यमुना
(c) ब्रह्मपुत्र
(d) चंबल

4. हाल ही में वैज्ञानिकों ने उत्तर-पश्चिमी हिमालय में लद्दाख मैग्मैटिक आर्क के विकासक्रम का अध्ययन किया। लद्दाख मैग्मैटिक आर्क का निर्माण मुख्यत: किस भू-वैज्ञानिक प्रक्रिया के कारण हुआ?
(a) मैंटल प्लूम के कारण ज्वालामुखीय गतिविधि
(b) हिमयुग के दौरान हिमनदीय गतिविधि
(c) नदी घाटियों में अपरदन एवं अवसादन
(d) नियो-टेथिस महासागर के नीचे विवर्तनिक प्लेटों का अधःसरण

5. हाल ही में जारी राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक 2026 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. यह सूचकांक भारतीय राज्यों के राजकोषीय प्रदर्शन का डाटा-आधारित आकलन प्रस्तुत करता है।
2. सूचकांक के दूसरे संस्करण में उत्तर-पूर्वी तथा हिमालयी राज्यों को शामिल किया गया है और उनका मूल्यांकन प्रमुख राज्यों से अलग किया गया है।
3. यह सूचकांक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तैयार और जारी किया जाता है।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

6. हाल ही में इसरो ने बताया कि IRNSS-1F उपग्रह पर लगी परमाणु घड़ी विफल हो गयी है। नेविगेशन उपग्रहों में प्रयुक्त परमाणु घड़ियां मुख्यत: किस कार्य में सहायक होती हैं?
(a) अंतरिक्ष में वायुमंडलीय दाब का मापन करना
(b) सटीक स्थिति के निर्धारण के लिए अत्यंत सूक्ष्म समय मापन प्रदान करना
(c) सूर्य से आने वाले विकिरण का पता लगाना
(d) उपग्रह के ईंधन की खपत की निगरानी करना

7. हाल ही में 98वें अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर 2026) में 'हैमनेट' फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार किसे मिला?
(a) जेसी बकली
(b) एमा स्टोन
(c) साओर्से रोनन
(d) फ्लोरेंस प्यू

8. हाल ही में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने दुर्लभ पौध प्रजाति हेन्केलिया मोनोफिला को लगभग 189 वर्षों बाद पुन: खोजा। यह प्रजाति निम्नलिखित में से किस राज्य में पाई गई?
(a) असम
(b) मणिपुर
(c) नगालैंड
(d) अरुणाचल प्रदेश

9. हाल ही में सुजल गांव आईडी नामक एक विशिष्ट डिजिटल पहचान प्रणाली प्रारम्भ की गई। यह पहल निम्नलिखित में से किस मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है?
(a) ग्रामीण विकास मंत्रालय
(b) जल शक्ति मंत्रालय
(c) आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय
(d) पंचायती राज मंत्रालय

10. हाल ही में ओडिशा के मयूरभंज जिले में आए भीषण तूफान के बाद चर्चा में रहे 'नॉर'वेस्टर्स' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. नॉर'वेस्टर्स तीव्र तथा अल्पकालिक गरज-चमक वाले तूफान होते हैं, जो मुख्यतः मानसून पूर्व महीनों में आते हैं।
2. ये तूफान मुख्यतः भारतीय उपमहाद्वीप के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भागों को प्रभावित करते हैं।
3. नॉर'वेस्टर्स सामान्यतः दिसंबर से फरवरी के शीतकालीन महीनों में होते हैं।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर : 1. c, 2. b, 3. b, 4. d, 5. a, 6. b, 7. a, 8. d, 9. b, 10. a

- नेशनल एन्वॉयरन्मेंटल स्टैंडर्ड लेबोरेटरी की स्थापना किस संस्थान में की गई है?

उत्तरः नई दिल्ली स्थित काउंसिल ऑफ साइंटिफिकल एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च के नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी

- हाल ही में चर्चा में रहा 12वीं शताब्दी का 'भद्रकाली अभिलेख' गुजरात के किस स्थान पर स्थित है, जो सोमनाथ मंदिर के इतिहास की पुष्टि करता है?

उत्तरः प्रभास पाटन

- वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल मछली उत्पादन कितने लाख टन तक पहुंच गया है?

उत्तरः 197.75 लाख टन

- भारत में दिसंबर 2025 के लिए दर्ज 'खुदरा मुद्रास्फीति' की दर क्या रही, जो पिछले तीन महीनों में सबसे अधिक है?

उत्तरः 1.33%

- विश्व स्वर्ण परिषद की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत घरेलू 'स्वर्ण ईटीएफ' होल्डिंग के मामले में विश्व स्तर पर किस स्थान पर पहुंच गया है?

उत्तरः छठे स्थान पर

- राष्ट्रीय मानवाधिकार तस्करी जागरूकता दिवस 2026 किस तिथि को मनाया गया?

उत्तरः 11 जनवरी

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 'पंखुड़ी' पोर्टल लॉन्च करने का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

उत्तरः महिलाओं और बच्चों के विकास के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व साझेदारियों को सुगम बनाना

- ऑस्कर 2026 (98वें अकादमी पुरस्कार) के लिए 'बेस्ट पिक्चर' श्रेणी में भारत की कितनी फिल्मों को योग्य माना गया है?

उत्तरः पांच फिल्मों को

- अरुणाचल प्रदेश का कौन-सा जिला भारत का पहला 'बायो-हैप्पी जिला' बनने जा रहा है?

उत्तरः कीई पन्योर

- 'राष्ट्रीय प्राथमिक मानक सौर सेल अंशांकन सुविधा' स्थापित करने के मामले में भारत का दुनिया में कौन-सा स्थान है?

उत्तरः पांचवां

- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी 'ध्रुव-एनजी' हेलिकॉप्टर मुख्य रूप से किस श्रेणी का विमान है?

उत्तरः उन्नत हल्का हेलिकॉप्टर

- हाल ही में जेहनपोरा में खोदाई के दौरान किस साम्राज्य के मिट्टी के बर्तन और तांबे की कलाकृतियां मिली हैं?

उत्तरः कुषाण साम्राज्य के

- अकासा एयर अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ में शामिल होने वाली भारत की कौन-से नंबर की एयरलाइन बन गई है? *उत्तरः पांचवीं*

- 'नेशनल इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस डाटा मैनेजमेंट सिस्टम' का प्रबंधन किस सुरक्षा एजेंसी द्वारा किया जा रहा है? *उत्तरः राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड*

भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक शिक्षा का समन्वय

भारत की शिक्षा प्रणाली आज एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जहां तकनीक और परंपरा दोनों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। ऐसे समय में भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक शिक्षा के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी हो गया है, ताकि शिक्षा न केवल आधुनिक बने, बल्कि अपनी जड़ों से भी जुड़ी रहे।

■ भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता

भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल प्राचीन परंपराओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक व्यापक समझ प्रदान करती है। इसमें योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित और खगोल विज्ञान जैसे विषय शामिल हैं, जो व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक और नैतिक विकास पर जोर देते हैं। आज के समय में, जब जीवनशैली से जुड़ी समस्याएं और मानसिक तनाव बढ़ रहे हैं, तब इस प्रणाली की उपयोगिता और भी अधिक बढ़ जाती है।

डॉ. पिचेश्वर गड्डे
चांसलर, लिंग्या विद्यापीठ, फरीदाबाद

■ आधुनिक शिक्षा का प्रभाव

आधुनिक शिक्षा ने तकनीकी प्रगति, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से छात्रों के लिए नई संभावनाएं खोली हैं। डिजिटल लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑनलाइन शिक्षा ने सीखने को अधिक आसान और सुलभ बनाया है। इसके कारण छात्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हो रहे हैं। हालांकि, यह भी जरूरी है कि इस प्रक्रिया में शिक्षा केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित न रह जाए।

■ समन्वय की आवश्यकता

भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक शिक्षा का समन्वय इसलिए जरूरी है, क्योंकि दोनों की अपनी-अपनी ताकत है। एक तरफ आधुनिक शिक्षा छात्रों को कौशल और कॅरिअर के लिए तैयार करती है, वहीं भारतीय ज्ञान प्रणाली उन्हें जीवन मूल्यों और संतुलित सोच प्रदान करती है। यदि इन दोनों को साथ में जोड़ा जाए, तो एक ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित हो सकती है, जो ज्ञान के साथ-साथ व्यक्तित्व का भी विकास करे।

■ चुनौतियां और समाधान

इस समन्वय को लागू करना आसान नहीं है। सबसे बड़ी चुनौती है पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करना और उसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ना। इसके अलावा, शिक्षकों का प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम का सही तरीके से निर्माण भी जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि शैक्षणिक संस्थान नए तरीकों को अपनाएं और शिक्षकों को दोनों प्रकार की शिक्षा पद्धतियों में प्रशिक्षित करें।

■ भविष्य की दिशा

भविष्य में एक ऐसा मॉडल अपनाया जा सकता है, जहां आधुनिक तकनीक के साथ भारतीय ज्ञान प्रणाली को जोड़ा जाए। पाठ्यक्रम में योग, नैतिक शिक्षा और भारतीय विचारधारा को शामिल करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ाया जा सकता है। इससे शिक्षा अधिक प्रभावी और संतुलित बनेगी।

■ निष्कर्ष

भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक शिक्षा का समन्वय केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता है। यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा, बल्कि छात्रों को एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने में भी मदद करेगा। सही दिशा में उठाए गए कदम भारत को एक मजबूत ज्ञान-आधारित समाज की ओर ले जा सकते हैं।

आईएनएस तारागिरी
नौसेना की आधुनिक ताकत

भारतीय नौसेना द्वारा यह अत्याधुनिक स्टेल्थ फ्रिगेट 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत तैयार किया गया है और भारत की समुद्री शक्ति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है...

भारतीय नौसेना आईएनएस तारागिरी (F41) को औपचारिक रूप से शामिल करने जा रही है। यह अत्याधुनिक स्टेल्थ फ्रिगेट 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत तैयार किया गया है और भारत की समुद्री शक्ति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस युद्धपोत की तैनाती से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ होगी।

■ आईएनएस तारागिरी का परिचय

आईएनएस तारागिरी 'नीलगिरी श्रेणी' के स्टेल्थ फ्रिगेट्स का चौथा पोत है, जिसे मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड द्वारा बनाया गया है। यह जहाज पुराने आईएनएस तारागिरी का आधुनिक संस्करण है, जो पहले लिएंडर श्रेणी का हिस्सा था। इस युद्धपोत का डिजाइन भारतीय नौसेना के वारशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा तैयार किया गया है, जो देश की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता को दर्शाता है।

■ उन्नत डिजाइन और संचालन क्षमता

आईएनएस तारागिरी को अत्याधुनिक स्टेल्थ तकनीक से लैस किया गया है, जिससे यह दुश्मन के रडार से बचने में सक्षम है। यह जहाज उच्च गति और लंबी दूरी तक संचालन करने में सक्षम है। इसे बहुआयामी समुद्री अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें सतही युद्ध, वायु रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियान शामिल हैं। यह शिप 'शिवालिक श्रेणी' के मुकाबले अधिक उन्नत तकनीकों और क्षमताओं से युक्त है।

■ हथियार प्रणाली और युद्धक क्षमता

इस फ्रिगेट में अत्याधुनिक हथियार प्रणाली लगाई गई है। इसमें सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल और एमएफ-स्टार रडार शामिल हैं। इसके अलावा इसमें 76 मिमी की सुपर रैपिड गन माउंट, क्लोज-इन वेपन सिस्टम और पनडुब्बी रोधी उपकरण जैसे टॉरपीडो और रॉकेट भी मौजूद हैं। ये सभी मिलकर इसे विभिन्न प्रकार के खतरों से निपटने में सक्षम बनाते हैं।

■ प्रणोदन प्रणाली और स्वदेशी विकास

आईएनएस तारागिरी में 'कंबाइंड डीजल या गैस' प्रणोदन प्रणाली का उपयोग किया गया है, जिसमें डीजल इंजन और गैस टर्बाइन का संयोजन होता है। यह प्रणाली जहाज को अधिक दक्षता और गति प्रदान करती है। इसके साथ ही इसमें इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम भी लगाया गया है, जो जहाज के संचालन को सुचारू बनाता है। यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भर रक्षा निर्माण नीति का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

WEEKLY DIARY

26 MAR

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 'नरसंहार दिवस' के मौके पर 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अत्याचारों को याद किया। अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए रहमान ने कहा कि स्वतंत्रता-प्रेमी बांग्लादेश के इतिहास में यह दिन सबसे शर्मनाक और क्रूर दिनों में से एक है।

27 MAR

लोकसभा ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों का संशोधन विधेयक 2026 पारित कर दिया। यह विधेयक 'ट्रांसजेंडर' शब्द की परिभाषा को पुनर्परिभाषित करता है और इसके दायरे से यौन अभिविन्यास और स्वयं द्वारा बोधित लिंग पहचान को बाहर रखता है। सरकार ने इसे कार्यान्वयन में स्पष्टता लाने के उद्देश्य से पेश किया था।

28 MAR

भारत सरकार ने प्रारंभ 2026 नामक एक जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के बारे में जानकारी देना है। यह अधिनियम 01 अप्रैल, 2026 से लागू होगा। इस पहल का मकसद नई कर प्रणाली में सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करना है।

अवॉर्ड

■ भारतीय अभिनेत्री ऋतुपर्णा सेनगुप्ता को 'महिला सशक्तीकरण पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2026 में ब्रिटेन के प्रतिष्ठित 'हाउस ऑफ कॉमंस' में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए दिया गया। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को रेखांकित किया गया।

■ प्रोफेसर कावेह मदानी को जल संसाधन प्रबंधन में उनके नवाचारपूर्ण शोध, नीतिगत योगदान और वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने हेतु स्टॉकहोम वाटर प्राइज 2026 से सम्मानित किया गया। उन्होंने कठिन राजनीतिक परिस्थितियों में भी काम करते हुए गेम थ्योरी के जरिये जल संकट समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह घोषणा यूनेस्को मुख्यालय, पेरिस में वर्ल्ड वाटर डे से पहले की गई। 44 वर्ष की आयु में वे इस पुरस्कार के सबसे युवा विजेता और इसे पाने वाले पहले संयुक्त राष्ट्र अधिकारी बने हैं। उन्हें जल विज्ञान को नीति, कूटनीति और जन-जागरूकता से जोड़ने के लिए सम्मानित किया गया है।

नियुक्ति

■ भारत के वित्तीय नियामक ढांचे के लिए सरकार ने कोम्पेला वेंकट रमना मूर्ति को एसईबीआई (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में नियुक्त किया। मूर्ति तीन साल के कार्यकाल के लिए इस पद पर रहेंगे। इससे भारत के पूंजी बाजार नियामक के नेतृत्व को मजबूती मिलेगी। उनकी नियुक्ति से एक महत्वपूर्ण रिक्ति भर गई है और बाजार के इस महत्वपूर्ण समय में एसईबीआई की पूरी परिचालन क्षमता बहाल हो गई है।

■ पुनीत गुप्त को डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। वे मरियम मम्मेन मैथ्यू का स्थान लेंगे, जिन्होंने अपना दो वर्षीय कार्यकाल पूरा कर लिया है। डिजिटल पत्रकारिता में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कारण हो रहे तीव्र परिवर्तनों और बढ़ते नियमों व विनियमों के मद्देनजर, डीएनपीए के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

■ ओपनएआई ने जियोस्टार के पूर्व सीईओ किरण मणि को एशिया-प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। वे सिंगापुर स्थित अपने कार्यालय से एशिया भर में ओपनएआई के विस्तार का नेतृत्व करेंगे और मुख्य रणनीति अधिकारी जेसन क्वोन को रिपोर्ट करेंगे। यह नियुक्ति भारत जैसे उच्च क्षमता वाले बाजारों पर कंपनी के बढ़ते फोकस को दर्शाती है।

खेल

■ काल सोमानी ने राजस्थान रॉयल्स आईपीएल फ्रेंचाइजी को 1.63 अरब डॉलर (16,290 करोड़ रुपये) में खरीद लिया है। यह सौदा आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े सौदों में से एक है। सोमानी, जो पहले से ही फ्रेंचाइजी के शेयरधारक हैं, अब 2026 आईपीएल सीजन के बाद फ्रेंचाइजी का पूर्ण नियंत्रण अपने हाथ में ले लेंगे। वे वर्तमान मालिक मनोज बदले की जगह लेंगे। फ्रेंचाइजी का यह अधिग्रहण इंडियन प्रीमियर लीग की ब्रांड वैल्यू और व्यावसायिक मूल्य को दर्शाता है।

■ पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान को आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित किया गया। यह सम्मान उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 विश्वकप 2026 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मिला। फरहान ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक रन बनाए।

■ रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू फ्रेंचाइजी को 1.78 अरब डॉलर में बेच दिया गया है, जिससे भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक बड़ा बदलाव आया है। इस सौदे के तहत यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड से स्वामित्व आदित्य बिरला ग्रुप, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, ब्लैकस्टोन और बोल्ट वेंचर्स सहित एक शक्तिशाली समूह को हस्तांतरित कर दिया गया है।

विज्ञान

■ एक नया कोविड-19 वैरिएंट बीए.3.2, जिसे 'सिकाडा वैरिएंट' के नाम से जाना जा रहा है, वर्ष 2026 में वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित कर रहा है। यह वैरिएंट कोविड-19 के ओमिक्रॉन वेरिएंट परिवार से संबंधित है, लेकिन इसमें अधिक संख्या में म्यूटेशन और इसके असामान्य दोबारा उभरने के पैटर्न के कारण यह अलग नजर आता है।

■ वैज्ञानिकों ने एक अत्यंत सहनशील रेगिस्तानी काई, सिंट्रिचिया कैनिनेर्विस, की पहचान की है, जो भविष्य में मंगल ग्रह पर मानव बसावट की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह काई अत्यधिक निर्जलीकरण, अत्यंत कम तापमान और तीव्र विकिरण जैसी कठोर परिस्थितियों में भी जीवित रह सकती है। यही विशेषताएं इसे मंगल जैसे प्रतिकूल वातावरण में जीवन की शुरुआत के लिए एक संभावित उम्मीदवार बनाती हैं।

WEEKLY DIARY

29 MAR

प्रधानमंत्री मोदी ने गौतमबुद्ध नगर के जेवर में 'नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट' का भव्य उद्घाटन किया। इसी के साथ उत्तर प्रदेश अब देश का ऐसा राज्य बन गया है, जहां सबसे ज्यादा इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स की कनेक्टिविटी मौजूद है। यह एयरपोर्ट दिल्ली से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

30 MAR

भारत ने सतत परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए देश की पहली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन का सफल ऑसिलेशन ट्रायल पूरा किया। इस उपलब्धि की पुष्टि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की। यह पहल भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है।

31 MAR

भारतीय सेना की मारक क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। सेना को 7.62 मिमी कैलिबर की 2000 'प्रहार' लाइट मशीन गन की पहली खेप मिल गई है। यह हथियार 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत देश में ही निर्मित किए गए हैं। इन मशीन गनों का निर्माण अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा किया गया है।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0811

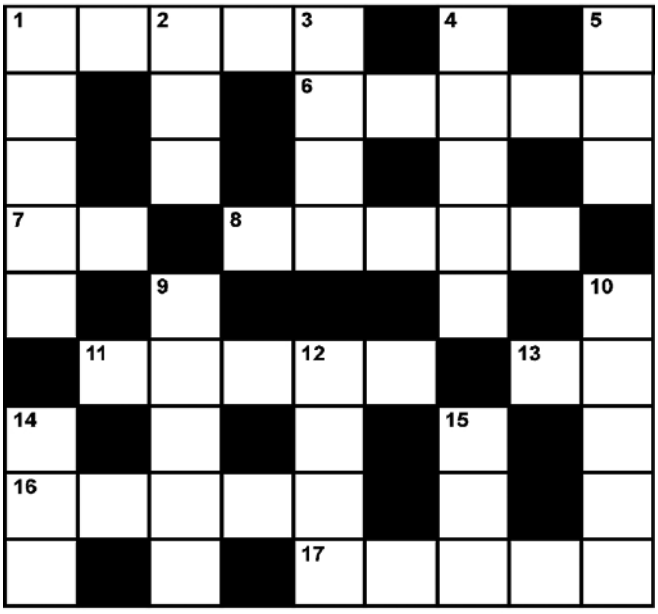

बाएं से दाएं : 8/34

1. मध्य अमेरिका का देश जिसकी सीमा उत्तर में होंडुरास और दक्षिण में कोस्टारिका से मिलती है तथा इसके पश्चिम में प्रशांत महासागर और पूर्व में कैरेबियन सागर स्थित है (5)
6. हिंदुओं के एक संस्कार के अवसर पर बालक को पहले-पहल पहनाया जाने वाला तीन धागों या तीन तारों का सूत्र; उपनयन; जनेऊ; यज्ञसूत्र; व्रतबंध (5)
7. किनारा; कूल; तीर; बेला; साहिल (2)
8. दुर्गम मार्ग तय करना; पार पहुंचना; दूसरे किनारे पर जाना (2,3)
11. 11 नवंबर, 2024 से 13 मई, 2025 तक भारत के मुख्य न्यायाधीश (3,2)
13. भैंस जैसा दिखने वाला एक तिब्बती जानवर (2)
16. अत्यंत कठोर; बहुत कड़ा; बेहद सख्त (5)
17. वनवास के दौरान लक्ष्मण द्वारा खींची गई रेखा; ऐसी सीमा जिसका उल्लंघन न किया जा सके; मर्यादा रेखा (3,2)

ऊपर से नीचे : 10/40

1. सबसे समीप; सबसे पास (5)
2. भाजपा नीत गठबंधन (3)
3. आय पर लगने वाला कर (4)
4. उबटन लगाना; परत चढ़ाना; पोतना; लेप लगाना (2,3)
5. पानी का एक जीव; हंस जैसा एक पक्षी (3)
9. विराष्ट्रीयकरण; किसी कार्य को निजी क्षेत्र में स्थानांतरित किया जाना (5)
10. 23.5 अक्षांस की वृत्त रेखा; उष्ण कटिबंध की दक्षिणी सीमा रेखा (3,2)
12. चारपाई में पाया जाने वाला रक्त शोषक कीट; परजीवी कीट (4)
14. 4840 वर्ग गज भूमि का माप (3)
15. पर्वतीय खंड व अरब सागर के बीच भूभाग की पतली पट्टी जिसमें ठाणे, कोलाबा, रत्नागिरि, मुंबई और उसके उपनगर, गोमांतक (गोवा) तथा उसके दक्षिण का कुछ अंश सम्मिलित है (3)

-हरीश चन्द्र सन्सी
विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0810

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

खबरों में

फ्लेक्सिबिलिटी से नई शुरुआत

जब जिंदगी ने किरण को सबसे बड़ा दुख दिया, तो वह बिना सहारे, बिना आय और भविष्य की चिंता के साथ अकेली रह गईं। भाटी माइंस की पुनर्वास कॉलोनी में रहने वाली किरण पर अचानक पति के निधन के बाद अपने दो बच्चों और बुजुर्ग सास-ससुर की जिम्मेदारी आ गई। लिटरेसी इंडिया की पहल 'पाठशाला 3.0' के तहत सिलाई का प्रशिक्षण लेकर उन्होंने धीरे-धीरे अपनी जिंदगी फिर से संभालनी शुरू की। जो शुरुआत एक हुनर सीखने से हुई, वही आज उनकी आमदनी का जरिया बन गई है। अब किरण अपने बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं और परिवार की मदद भी कर रही हैं। वह

आज आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बन चुकी हैं। पिछले एक साल में 'पाठशाला 3.0' ने भाटी माइंस (दिल्ली) और शाहपुर (नोएडा) में 1,300 से ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाई है। इस पहल के जरिये शिक्षा, डिजिटल लर्निंग और रोजगार से जुड़ी ट्रेनिंग दी जा रही है। सिर्फ भाटी माइंस में ही 600 से ज्यादा लोगों ने रेमेडियल एजुकेशन, स्मार्ट क्लास और सिलाई, ब्यूटी एंड वेलनेस और बेसिक आईटी जैसे कोर्स से फायदा उठाया है, जिससे उन्हें स्थायी रोजगार की दिशा में बढ़ने में मदद मिल रही है। इस पहल के बारे में लिटरेसी इंडिया की संस्थापक कैप्टन इंद्राणी सिंह ने कहा, 'एनसीआर के कई इलाकों में लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी रोजगार कमाने के आसपास ही घूमती है, जहां तुरंत की जरूरतें सबसे पहले आती हैं। ऐसे में शिक्षा और कौशल सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि स्थिर और बेहतर जीवन के लिए बहुत जरूरी हैं। 'पाठशाला 3.0' के जरिये हम इस कमी को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि लोग सीखकर आगे बढ़ सकें और अपने लिए बेहतर भविष्य बना सकें।

SHREEPRAKASH SHARMA

PRINCIPAL
PM SHRI SCHOOL
JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA,
Garhbanaili,
District-Purnia

WORDS WIELD POWER

English is used as a lingua franca among the people of many countries across the world. Its importance as a foreign language, especially in the current milieu of the globalized world, cannot be easily gainsaid. The mastery of English refines the personality and facilitates the success. Let us perfect the knowledge of English to accomplish the dreams of our life.

Choose the closest meaning of the words given in the capital letters -

1. DISPOSSESS
(A) to settle (B) to evict, to oust (C) to decide
2. STYMIE
(A) to impede, to thwart (B) to crack (C) to browse
3. STRENUOUS
(A) tough, arduous (B) vagrant (C) independent
4. FLAW
(A) to survive (B) to knock down (C) to damage, to spoil
5. SEMINAL
(A) original, basic (B) obstinate (C) independent
6. RENAISSANCE
(A) revocation (B) revival, rejuvenation (C) recapitulation
7. PROPITIOUS
(A) opportune, auspicious (B) appropriate (C) definite
Answers: 1. B 2. A 3. A 4. C 5. A 6. B 7.A

Choose the word most nearly opposite to the words given in the capital letters
1. WITHDRAW
(A) to reprove (B) to enter, to deposit (C) to prompt
2. TENSE
(A). to relax (B) to get down (C) to conclude
3. DAUNTLESS
(A) timid (B) credulous (C) dubious
4. RUN-OF-THE-MILL
(A) exceptional (B) ceaseless (C) confidential
5. RUDIMENTARY
(A) muscular (B) sophisticated, advanced (C) apologetic
6. BOISTEROUS
(A) restrained, orderly (B) shackled (C) unfathomable
7. BRIMFUL
(A) legitimate (B) empty (C) erudite
1. B 2. A 3. A 4. A 5. B 6.A 7.B

LET US KNOW ABOUT THE WORD "SAVAGE"

SAVAGE – 1. adjective, extremely violent and frightening, not domesticated (अत्यंत आक्रमक और हिंसक, जो पालतू नहीं हो) The security forces had made a brutal and savage attack on the terrorists last week.My neighbour has a savage dog.
We must be afraid of savage beasts. A gang of armed and savage robbers murdered the local businessman last night.
2. Very serious (अत्यंत गंभीर) The government's latest tax policy has evoked savage criticism by the opposition parties.
3. Huge and severe (विशाल और कठोर) The government has decided to bring about savage cuts in the agriculture budget of the next financial year.
Verb - to attack violently (हिंसक रूप से आक्रमण करना) The boy was badly injured when the street dog savaged him.
To criticize someone very cruelly (किसी की क्रूरतापूर्वक आलोचना करना)
The common masses savaged the government for the indifference to the demands of the farmers.
Noun - a person who is a savage is at a very early stage of development (ऐसा व्यक्ति जो विकास के प्राचीन स्तर पर हो) Even after the fast development, millions of the people have been living the life of savages across the world.
Synonyms: Adjective
Barbaric, untamed, fierce, ferocious, barbarous, uncivilized
Synonyms: Noun
Beast, brute,
Synonyms: Verb
To abuse, to assail, to criticize
Antonyms: Adjective
Civilized.

WORD OF THE WEEK

APOTHEOSIS – noun, the perfect example of something, the highest part of something, deification (सर्वोत्तम उदाहरण, देवता का स्वरुप प्रदान करना)
Her latest best seller has finally proved that she has achieved the apotheosis in the art of writing and inspiring the readers.

SCHOLARSHIP ALERT

इनलैक्स स्कॉलरशिप

इनलैक्स स्कॉलरशिप के लिए छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह स्कॉलरशिप छात्रों को यूनाइटेड किंगडम, यूरोप और अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों या संस्थानों में अपनी पसंद के विषय में अध्ययन करने का अवसर प्रदान करती है।

इसका उद्देश्य छात्रों को ऐसा अनुभव देना है, जो उनकी सोच को व्यापक बनाए, उनके कौशल को निखारे और उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सक्षम बनाए। आवेदन के लिए आवश्यक है कि अभ्यर्थी के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री हो। स्नातक के अंतिम वर्ष में अध्ययन कर रहे और परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। इस स्कॉलरशिप के तहत कोर्स की अवधि नौ महीने से चार वर्ष तक हो सकती है। स्कॉलरशिप राशि पाठ्यक्रम के आधार पर तय की जाती है, जिसमें ट्यूशन फीस, रहने का खर्च, एक तरफ का यात्रा भत्ता, वीजा लागत और स्वास्थ्य भत्ता शामिल होता है। कुल सहायता राशि 120,000 अमेरिकी डॉलर तक हो सकती है।

आवेदन की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2026
आवेदन लिंक : tinyurl.com/4kncp2ck

20,000 डॉलर तक की छात्रवृत्ति पाने का मौका

ऑकलैंड विश्वविद्यालय द्वारा ऑकलैंड इंडिया हाई अचीवर्स स्कॉलरशिप के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह छात्रवृत्ति खास तौर पर भारतीय छात्रों के लिए है, जो 2026 में स्नातक, स्नातकोत्तर या पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं। इस छात्रवृत्ति का मुख्य उद्देश्य प्रतिभाशाली अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करना और उन्हें पढ़ाई के दौरान आर्थिक सहायता देना है। शोधार्थियों का चयन मुख्य रूप से उनकी शैक्षणिक योग्यता, आवेदन पत्र की गुणवत्ता, संदर्भकर्ताओं द्वारा दी गई अनुशंसा तथा प्रस्तावित अध्ययन कार्यक्रम के विश्वविद्यालय के रणनीतिक उद्देश्यों के साथ सामंजस्य के आधार पर किया जाएगा, ताकि योग्य और उपयुक्त उम्मीदवारों का चयन सुनिश्चित किया जा सके। इस योजना के तहत चयनित छात्रों को ट्यूशन फीस के लिए अधिकतम 20,000 डॉलर तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी।

आवेदन की अंतिम तिथि : 02 अप्रैल, 2026
आवेदन लिंक : tinyurl.com/bdfcxavk

विदेश में पढ़ाई के मौके

बाथ विश्वविद्यालय की इंटरनेशनल एक्सीलेंस स्कॉलरशिप-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह छात्रवृत्ति उन छात्रों के लिए एक बेहतरीन अवसर है, जो सितंबर 2026 में विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने जा रहे हैं। इसका उद्देश्य उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि वाले छात्रों को उनकी पढ़ाई में आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। चयनित उम्मीदवारों को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए 8,000 पाउंड तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी, जिससे उनकी शिक्षा का खर्च काफी हद तक कम हो सकेगा। आवेदन ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि : 25 जून, 2026
आवेदन लिंक : tinyurl.com/37srxwp2

टिप्स

जीवन में सफलता के मूलमंत्र

अपने जीवन में सफलता की बुलंदियों पर हर इन्सान पहुंचना चाहता है, लेकिन हर कोई इस मुकाम को हासिल नहीं कर पाता। आपके असफल होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक है, जीवन में सही ढंग से प्लानिंग का न होना। सफलता के कुछ मूलमंत्र, जिन्हें अपनाकर आप भी जीवन में सफल बन सकते हैं:

■ **अपना लक्ष्य तय करें**
बिना लक्ष्य के जीवन ठीक उसी प्रकार है, जैसे दिशा के बगैर हवा। अगर आप जीवन में लक्ष्य तय नहीं करते हैं, तो आप भले ही कितनी मेहनत क्यों न लें, सफलता से वंचित रह सकते हैं। इसलिए सबसे पहले अपना लक्ष्य तय करें।

■ **समय का सही इस्तेमाल**
आपको अपने काम को छोटे-छोटे टास्क में बांट लेना चाहिए। इस तरह कितना ही बड़ा काम हो, आपको मुश्किल नहीं लगेगा और आसानी से आप उसे अंजाम तक दे पाएंगे।

■ **अपने काम में प्रशिक्षित हों**
आप अपने काम में जितने अधिक प्रशिक्षित होंगे, उतने ही ज्यादा किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार होंगे और उसे आसानी से काबू कर पाएंगे। इसलिए अपने काम से संबंधित जानकारी को हमेशा बढ़ाते रहें।

■ **काम के बीच में लें ब्रेक**
लंबे समय तक काम करते रहने से आप शारीरिक और मानसिक रूप से थकावट महसूस कर सकते हैं। इससे आप की प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए काम के बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें, इससे आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार होगा और प्रॉडक्टिविटी में भी बढ़ोतरी होगी।

■ **सेहत का रखें ख्याल**
आप जब स्वस्थ होंगे, तभी काम सही तरीके से कर पाएंगे। इसलिए आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। खानपान से लेकर एक्सरसाइज हर चीज पर ध्यान देने की जरूरत है। इससे आप फिट और स्वस्थ रहेंगे।

■ **अपने काम से प्यार करें**
जब तक आप किसी काम को दिल लगाकर नहीं करेंगे, तब तक सफल नहीं हो सकते हैं। आपको अपने काम को दिल में और दिल को काम में लगाए रखना चाहिए।

■ **यात्रा से आनंद उठाएं:** यात्रा मुश्किल, लंबी और थकाने वाली हो सकती है, लेकिन निश्चय ही यह आनंददायक होती है। इसलिए यात्रा से आनंद उठाएं और फिर आकर अपने काम में जुट जाएं।